SNEH TEACHERS TRAINING COLLEGE, JAIPUR
"Foster Emotional Intelligence in Youth Through Education" (ICFEIYE-2024)
DATE: 15 April 2024
International Advance Journal of Engineering, Science and Management (IAJESM)
Multidisciplinary, Indexed, Double-Blind, Open Access, Peer-Reviewed, Refereed-International Journal, Impact factor (SJIF) = 7.938

चंद्रपुर जिले के छोटे उद्यमियों की विपणन प्रबंधन और वित्तीय प्रबंधन से संबंधित समस्याओं का विश्लेषणात्मक अध्ययन

आशिष वसंता नैताम, दुर्गा मंगल कार्यालय के पास, सहकार कॉलोनी, ब्रह्मपुरी, चंद्रपुर
डॉ. राजीव जी.कळसकर, विद्या विकास कला, वाणिज्य आणि विज्ञान महाविद्यालय, समुद्रपुर, वर्धा

सारांश:

यह शोध पत्र चंद्रपुर जिले में छोटे उद्यमियों द्वारा सामना की जाने वाली विपणन प्रबंधन और वित्तीय प्रबंधन से संबंधित समस्याओं का एक विश्लेषणात्मक अध्ययन प्रस्तुत करता है। अध्ययन में सीमित बाजार पहुंच, अपर्याप्त डिजिटल विपणन कौशल और विपणन प्रबंधन में अपर्याप्त ब्रांड पहचान विकास सहित प्रमुख चुनौतियों की पहचान की गई है। वित्तीय प्रबंधन में, यह ऋण तक पहुँचने में कठिनाइयों, खराब वित्तीय नियोजन और उच्च परिचालन लागतों पर प्रकाश डालता है। मिश्रित-पद्धति दृष्टिकोण को नियोजित करके, शोध सर्वेक्षणों और साक्षात्कारों से प्राथमिक आंकड़ो को अकादमिक और उद्योग स्रोतों से दुय्यम आंकड़ो के साथ जोड़ता है। निष्कर्ष क्षेत्र में छोटे व्यवसायों के विकास और स्थिरता में बाधा डालने वाली महत्वपूर्ण बाधाओं को प्रकट करते हैं। यह शोध पत्र चंद्रपुर में छोटे उद्यमों की विपणन और वित्तीय क्षमताओं को बढ़ाने के लिए उद्यमियों, सरकारी निकायों और वित्तीय संस्थानों के लिए व्यावहारिक सिफारिशों के साथ समाप्त होता है। इस अध्ययन का उद्देश्य चंद्रपुर जिले में छोटे व्यवसाय के विकास के लिए अधिक अनुकूल वातावरण को बढ़ावा देने के लिए कार्रवाई योग्य अंतर्दृष्टि प्रदान करना है।

मुख्य शब्द: छोटे उद्यमी, चंद्रपुर जिला, विपणन प्रबंधन, वित्तीय प्रबंधन, चुनौतियाँ, रणनीतियाँ

परिचय:

यह शोध पत्र महाराष्ट्र के चंद्रपुर जिले में छोटे उद्यमियों के सामने विपणन और वित्तीय प्रबंधन के संदर्भ में आने वाली चुनौतियों की जाँच करता है। जिले के समृद्ध प्राकृतिक संसाधनों और औद्योगिक गतिविधियों के बावजूद, कई उद्यमियों को वित्तीय संसाधनों तक सीमित पहुँच, अपर्याप्त विपणन रणनीतियों और अपर्याप्त प्रबंधकीय कौशल का सामना करना पड़ता है। ये चुनौतियाँ तेज़ी से विकसित हो रहे बाज़ार की गतिशीलता और बड़ी फ़र्मों और डिजिटल बाज़ारों से प्रतिस्पर्धी दबावों के कारण और भी बढ़ जाती हैं।

छोटे व्यवसायों की दृश्यता और प्रतिस्पर्धात्मकता के लिए विपणन प्रबंधन महत्वपूर्ण है, लेकिन उद्यमियों के पास अक्सर परिष्कृत अभियानों को लागू करने के लिए विशेषज्ञता और संसाधनों की कमी होती है। सीमित डिजिटल विपणन ज्ञान, खराब बाज़ार अनुसंधान और अप्रभावी प्रचार गतिविधियाँ जैसे मुद्दे ग्राहकों को आकर्षित करने और बनाए रखने की उनकी क्षमता में बाधा डालते हैं। छोटे उद्यमों के अस्तित्व और विकास के लिए वित्तीय प्रबंधन भी उतना ही महत्वपूर्ण है, लेकिन उद्यमियों को इस क्षेत्र में महत्वपूर्ण बाधाओं का सामना करना पड़ता है।

अध्ययन का उद्देश्य चंद्रपुर में छोटे उद्यमियों द्वारा सामना की जाने वाली विशिष्ट विपणन और वित्तीय प्रबंधन समस्याओं का पता लगाना और अंतर्निहित कारणों की पहचान करना है। सर्वेक्षण, साक्षात्कार और केस स्टडी सहित गुणात्मक और मात्रात्मक अनुसंधान विधियों के संयोजन के माध्यम से, निष्कर्ष क्षेत्र में छोटे व्यवसायों के सामने आने वाली चुनौतियों की गहरी समझ में योगदान देंगे और इन मुद्दों को हल करने के लिए कार्रवाई योग्य सिफारिशें प्रदान करेंगे।

इस शोधपत्र का उद्देश्य ज्ञान की खाई को पाटना और चंद्रपुर में छोटे उद्यमियों को उनकी विपणन और वित्तीय प्रबंधन क्षमताओं को बढ़ाने के लिए व्यावहारिक समाधान प्रदान करके उनका समर्थन करना है, जिससे उभरते बाजारों में छोटे व्यवसाय विकास और आर्थिक विकास पर व्यापक चर्चा में योगदान मिल सके।

शोध के उद्देश्य:

१) चंद्रपुर में छोटे उद्यमियों के सामने आने वाली विपणन प्रबंधन समस्याओं की पहचान करना।

२) स्थानीय छोटे व्यवसायों के संदर्भ में वित्तीय प्रबंधन चुनौतियों का विश्लेषण करना।

३) इन चुनौतियों पर काबू पाने के लिए व्यावहारिक रणनीति सुझाना।

साहित्य समीक्षा:

१) **कोटलर, पी. और केलर, के.एल. (२०१६) -** "विपणन मैनेजमेंट" (१५वां संस्करण) में, कोटलर और केलर छोटे व्यवसायों के लिए रणनीतिक विपणन के महत्व पर जोर देते हैं। वे चर्चा करते हैं कि कैसे सीमित संसाधन अक्सर छोटे

International Advance Journal of Engineering, Science and Management (IAJESM)
Multidisciplinary, Indexed, Double-Blind, Open Access, Peer-Reviewed, Refereed-International Journal, Impact factor (SJIF) = 7.938

उद्यमों को बड़ी फर्मों के साथ प्रतिस्पर्धा करने के लिए अभिनव, कम लागत वाली विपणन रणनीतियों पर निर्भर रहने के लिए मजबूर करते हैं।

२) **एबोर, जे. और क्वार्टी, पी. (२०१०) -** अपने पेपर "घाना और दक्षिण अफ्रीका में एसएमई विकास के मुद्दे" में, एबोर और क्वार्टी विकासशील देशों में छोटे व्यवसायों द्वारा सामना की जाने वाली वित्तीय चुनौतियों पर चर्चा करते हैं। वे ऋण तक सीमित पहुंच, उच्च ब्याज दरों और अपर्याप्त वित्तीय प्रबंधन कौशल को प्रमुख बाधाओं के रूप में पहचानते हैं।

३) **फतोकी, ओ. (२०१४) -** "दक्षिण अफ्रीका में माइक्रो उद्यमियों की वित्तीय साक्षरता" में, फतोकी छोटे व्यवसायों के वित्तीय प्रबंधन प्रथाओं पर वित्तीय साक्षरता के प्रभाव की खोज करते हैं। अध्ययन में पाया गया है कि वित्तीय साक्षरता का निम्न स्तर खराब वित्तीय निर्णय लेने और व्यवसाय की विफलता में योगदान देता है।

४) **काले, वी.एस. और अरोड़ा, आर. (२०१९) -** उनका शोधपत्र "महाराष्ट्र में एसएमई की विपणन और वित्तीय बाधाएँ" चंद्रपुर सहित व्यापक क्षेत्रीय संदर्भ की जाँच करता है। वे उच्च प्रतिस्पर्धा, विनियामक बाधाओं और वित्तीय संस्थानों से अपर्याप्त समर्थन जैसी प्रमुख चुनौतियों की पहचान करते हैं।

५) **देशमुख, एस. और तंबोली, एम. (२०२०) -** "चंद्रपुर जिले में लघु उद्यमों के वित्तीय प्रबंधन प्रथाओं पर एक अध्ययन" में, लेखक विशेष रूप से चंद्रपुर पर ध्यान केंद्रित करते हैं, खराब वित्तीय नियोजन, अपर्याप्त लेखांकन प्रथाओं और अनौपचारिक ऋण स्रोतों पर निर्भरता जैसे प्रचलित मुद्दों की पहचान करते हैं।

साहित्य से पता चलता है कि चंद्रपुर सहित विभिन्न संदर्भों में छोटे उद्यमियों को विपणन और वित्तीय प्रबंधन में महत्वपूर्ण चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। ये चुनौतियाँ अक्सर आपस में जुड़ी होती हैं और सीमित संसाधनों और बाहरी बाधाओं से और भी जटिल हो जाती हैं। छोटे व्यवसायों की वृद्धि और स्थिरता के लिए प्रभावी विपणन रणनीतियाँ और ठोस वित्तीय प्रथाएँ महत्वपूर्ण हैं। इस शोध पत्र का उद्देश्य इन अंतर्दृष्टियों पर निर्माण करना है, चंद्रपुर में छोटे उद्यमियों द्वारा सामना की जाने वाली विशिष्ट समस्याओं का विस्तृत विश्लेषण प्रदान करना और उन्हें संबोधित करने के लिए व्यावहारिक समाधान प्रस्तावित करना है।

शोध पद्धति:

अध्ययन में गुणात्मक और मात्रात्मक विधियों को मिलाकर मिश्रित-पद्धति दृष्टिकोण का उपयोग किया गया। प्राथमिक आंकड़ों को सर्वेक्षण और साक्षात्कार के माध्यम से एकत्र किया गया है, जबकि द्वितीयक आंकड़ों को उद्योग रिपोर्टों और अकादमिक पत्रिकाओं से प्राप्त किया गया है। द्वितीयक आंकड़ों को सरकारी प्रकाशनों, आर्थिक सर्वेक्षणों और मौजूदा शोध पत्रों से एकत्र किया गया है।

चंद्रपुर जिले के छोटे उद्यमियों की विपणन प्रबंधन और वित्तीय प्रबंधन से संबंधित समस्याएँ:

चंद्रपुर जिले में छोटे उद्यमियों को विपणन और वित्तीय प्रबंधन से संबंधित अनूठी चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। इनमें सीमित बाजार पहुँच, प्रतिस्पर्धा, सीमित विपणन कौशल, नवाचार घाटा, विज्ञापन बजट की बाधाएँ, ग्राहक जुड़ाव और प्रतिक्रिया तंत्र शामिल हैं।

विपणन प्रबंधन समस्याओं में स्थानीय बाधाओं और डिजिटल उपस्थिति की कमी के कारण सीमित बाजार पहुँच शामिल है। स्थानीय व्यवसायों और राष्ट्रीय और वैश्विक ब्रांडों के कारण प्रतिस्पर्धा कठिन है। सीमित विपणन कौशल और विशेषज्ञता अप्रभावी रणनीतियों को जन्म दे सकती है। विपणन में औपचारिक प्रशिक्षण की कमी के कारण नवाचार भी चुनौतीपूर्ण है। विज्ञापन बजट की बाधाएँ व्यापक अभियान चलाने और लागत प्रभावी चैनलों का उपयोग करने की क्षमता को सीमित करती हैं।

वित्तीय प्रबंधन की समस्याओं में वित्त तक सीमित पहुँच, उच्च ब्याज दरें, वित्तीय साक्षरता की कमी, खराब रिकॉर्ड रखना, असंगत नकदी प्रवाह प्रबंधन, उच्च परिचालन लागत और पैमाने की अर्थव्यवस्थाएँ शामिल हैं। वित्तीय अनिश्चितता और विकास के अवसरों में निवेश करने में हिचकिचाहट के कारण विकास के लिए निवेश करना मुश्किल है। संभावित समाधानों में विपणन कार्यशालाओं और वित्तीय साक्षरता कार्यक्रमों के माध्यम से प्रशिक्षण और शिक्षा, डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म और वित्तीय सॉफ़्टवेयर के माध्यम से प्रौद्योगिकी तक पहुँच, सब्सिडी और अनुदान के माध्यम से सरकारी और संस्थागत समर्थन, व्यावसायिक संघों के माध्यम से नेटवर्किंग और सहयोग, और बाजार अनुसंधान और विकास में निवेश करना शामिल है। इन चुनौतियों का समाधान करने के लिए सरकारी एजेंसियों, वित्तीय संस्थानों, शैक्षिक निकायों और उद्यमियों को शामिल करते हुए एक सहयोगी दृष्टिकोण की आवश्यकता

International Advance Journal of Engineering, Science and Management (IAJESM)
Multidisciplinary, Indexed, Double-Blind, Open Access, Peer-Reviewed, Refereed-International Journal, Impact factor (SJIF) = 7.938

है। सही समर्थन और संसाधनों के साथ, चंद्रपुर जिले के छोटे उद्यमी इन बाधाओं को दूर कर सकते हैं और अपने संबंधित बाजारों में फल-फूल सकते हैं।

विपणन प्रबंधन की समस्याएँ:

चंद्रपुर जिले में छोटे उद्यमियों को विपणन और वित्तीय प्रबंधन में कई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। इनमें सीमित विपणन बजट, विपणन विशेषज्ञता की कमी, बाजार अनुसंधान में कठिनाई, अप्रभावी ब्रांडिंग, सीमित वितरण चैनल, नकदी प्रवाह प्रबंधन, वित्त तक पहुँच, लागत नियंत्रण, विनियमों का अनुपालन और प्रौद्योगिकी अपनाना शामिल हैं।

विपणन गतिविधियों के लिए सीमित धन व्यापक दर्शकों तक पहुँचने और बड़े व्यवसायों के साथ प्रभावी रूप से प्रतिस्पर्धा करने की उनकी क्षमता में बाधा डाल सकता है। विपणन विशेषज्ञता की कमी के कारण संसाधनों का अकुशल उपयोग हो सकता है और ग्राहकों को आकर्षित करने के अवसर चूक सकते हैं। सीमित संसाधनों और डेटा तक पहुँच के कारण बाजार अनुसंधान चुनौतीपूर्ण हो सकता है, जिससे छोटे उद्यमियों के लिए ग्राहकों की माँगों को पूरा करने के लिए अपने उत्पादों या सेवाओं को तैयार करना मुश्किल हो जाता है।

अप्रभावी ब्रांडिंग छोटे उद्यमियों के लिए एक और चुनौती है, क्योंकि उन्हें एक विशिष्ट ब्रांड पहचान बनाने और अपने मूल्य प्रस्ताव को प्रभावी ढंग से संप्रेषित करने में संघर्ष करना पड़ सकता है। सीमित वितरण चैनल, विशेष रूप से दूरदराज या कम सेवा वाले क्षेत्रों में, उनकी बाजार पहुँच और विकास क्षमता को सीमित करते हैं।

नकदी प्रवाह प्रबंधन छोटे उद्यमियों के लिए एक और महत्वपूर्ण चिंता का विषय है, क्योंकि अनियमित आय धाराएँ और उतार-चढ़ाव वाले खर्च नकदी प्रवाह की कमी का कारण बन सकते हैं, जिससे वित्तीय दायित्वों को पूरा करना मुश्किल हो जाता है। सीमित संपार्श्विक, उच्च ब्याज दरों और सख्त पात्रता मानदंडों के कारण ऋण या निवेश पूंजी जैसे वित्तपोषण विकल्पों तक पहुँच चुनौतीपूर्ण हो सकती है।

छोटे उद्यमियों के लिए विनियमों और कानूनी आवश्यकताओं का अनुपालन भी एक चुनौती है, क्योंकि उन्हें जटिल नियामक ढाँचों से निपटना होगा। प्रौद्योगिकी अपनाने से प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने में मदद मिल सकती है, लेकिन लागत बाधाओं, तकनीकी जानकारी की कमी और बदलाव के प्रति प्रतिरोध के कारण चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है।

इन चुनौतियों से पार पाने के लिए, छोटे उद्यमियों को रणनीतिक योजना, संसाधन आवंटन, कौशल विकास और सरकारी एजेंसियों, उद्योग संघों, वित्तीय संस्थानों और व्यावसायिक सलाहकारों से बाहरी सहायता की आवश्यकता होती है। अभिनव समाधानों को लागू करना और उपलब्ध संसाधनों का लाभ उठाना उन्हें प्रतिस्पर्धी बाज़ार में सफल होने में मदद कर सकता है।

वित्तीय प्रबंधन की समस्याएँ:

चंद्रपुर जिले में छोटे उद्यमियों को कई वित्तीय प्रबंधन चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। इनमें सीमित वित्तीय साक्षरता, अनियमित राजस्व धाराएँ, ऋण प्रबंधन में कठिनाई, कर अनुपालन, जोखिम प्रबंधन, अपर्याप्त कार्यशील पूंजी प्रबंधन और निवेश निर्णय शामिल हैं। ये मुद्दे खराब निर्णय लेने और वित्तीय संसाधनों के कुप्रबंधन का कारण बन सकते हैं।

असमान राजस्व धाराएँ उद्यमियों के लिए आय का पूर्वानुमान लगाना और खर्चों की योजना बनाना मुश्किल बना सकती हैं, और मौसमी उतार-चढ़ाव इस समस्या को बढ़ा सकते हैं। ऋण प्रबंधन एक और चुनौती है, क्योंकि उच्च ब्याज दरें, देर से भुगतान दंड और अत्यधिक ऋण बोझ नकदी प्रवाह को प्रभावित कर सकते हैं और व्यवसाय के विकास में बाधा डाल सकते हैं।

छोटे उद्यमियों के लिए कर अनुपालन चुनौतीपूर्ण हो सकता है, खासकर उन लोगों के लिए जिनके पास सीमित लेखा विशेषज्ञता है। औपचारिक जोखिम प्रबंधन प्रक्रियाओं और बीमा कवरेज की कमी के कारण बाजार, परिचालन और वित्तीय जोखिमों सहित जोखिम प्रबंधन में कमी हो सकती है।

अपर्याप्त कार्यशील पूंजी प्रबंधन से तरलता की समस्या हो सकती है और व्यवसाय के विकास में बाधा आ सकती है। संसाधनों को बुद्धिमानी से आवंटित करने और दीर्घकालिक रिटर्न उत्पन्न करने के लिए सही निवेश निर्णय लेना महत्वपूर्ण है।

उत्तराधिकार नियोजन भी छोटे उद्यमियों, खासकर परिवार के स्वामित्व वाले उद्यमों के लिए एक चुनौती है। उन्हें उत्तराधिकार योजनाएँ विकसित करने, स्वामित्व हस्तांतरित करने और सुचारू नेतृत्व परिवर्तन सुनिश्चित करने में चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है।

इन वित्तीय प्रबंधन समस्याओं को दूर करने के लिए, उद्यमियों को एक सक्रिय दृष्टिकोण अपनाना चाहिए, वित्तीय सलाहकारों, सलाहकारों और उद्योग विशेषज्ञों से सहायता लेनी चाहिए और वित्तीय प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करने के लिए

International Advance Journal of Engineering, Science and Management (IAJESM)
Multidisciplinary, Indexed, Double-Blind, Open Access, Peer-Reviewed, Refereed-International Journal, Impact factor (SJIF) = 7.938

प्रौद्योगिकी समाधानों का लाभ उठाना चाहिए। वित्तीय साक्षरता कार्यक्रमों और कार्यशालाओं में भाग लेने से प्रमुख वित्तीय अवधारणाओं और प्रथाओं की उनकी समझ भी बढ़ सकती है।

विपणन प्रबंधन के लिए निहितार्थ:

चंद्रपुर जिले में विपणन और वित्तीय प्रबंधन में छोटे उद्यमियों के सामने आने वाली चुनौतियों का समाधान विभिन्न रणनीतियों के माध्यम से किया जा सकता है। इनमें दोनों क्षेत्रों को कवर करने वाले एकीकृत प्रशिक्षण कार्यक्रमों का विकास, सहयोगी कार्यशालाओं और संगोष्ठियों का आयोजन, सरकारी सहायता और प्रोत्साहन प्रदान करना, स्थानीय बाजार विकास पहलों को बढ़ावा देना, वित्तीय संसाधनों तक पहुँच में सुधार करना और डिजिटल विपणन और ई-कॉमर्स प्रशिक्षण पर ध्यान केंद्रित करना शामिल है।

एकीकृत प्रशिक्षण कार्यक्रम उद्यमियों को अपने व्यवसायों को प्रभावी ढंग से प्रबंधित करने के लिए आवश्यक कौशल और ज्ञान से लैस कर सकते हैं, जैसे डिजिटल विपणन रणनीतियाँ, ब्रांडिंग तकनीक, वित्तीय नियोजन, बजट और लागत प्रबंधन। सहयोगी कार्यशालाएँ और सेमिनार मूल्यवान अंतर्दृष्टि और व्यावहारिक मार्गदर्शन प्रदान कर सकते हैं, जिससे उद्यमी सर्वोत्तम प्रथाओं का आदान-प्रदान कर सकते हैं और आम चुनौतियों पर काबू पा सकते हैं।

वित्तीय सहायता, सब्सिडी और प्रोत्साहन के रूप में सरकारी सहायता छोटे उद्यमियों को इन मुद्दों को हल करने के लिए आवश्यक संसाधनों तक पहुँचने में मदद कर सकती है। स्थानीय बाजार विकास पहल छोटे उद्यमियों के लिए बाजार पहुँच और दृश्यता बढ़ा सकती है। वित्तीय प्रबंधन चुनौतियों, जैसे नकदी प्रवाह की समस्याओं, ऋण प्रबंधन और कार्यशील पूंजी की जरूरतों को संबोधित करने के लिए ऋण और वित्तीय संसाधनों तक पहुँच में सुधार करना महत्वपूर्ण है।

डिजिटल विपणन और ई-कॉमर्स प्रशिक्षण कार्यक्रम छोटे उद्यमियों को डिजिटल टूल और प्लेटफ़ॉर्म का प्रभावी ढंग से लाभ उठाने के लिए सशक्त बना सकते हैं, जिसमें सोशल मीडिया विपणन, एसईओ, वेबसाइट डेवलपमेंट और ऑनलाइन बिक्री रणनीतियों जैसे विषय शामिल हैं। उद्योग संघों, गैर सरकारी संगठनों और समुदाय-आधारित संगठनों के साथ सहयोग करके छोटे उद्यमियों के लिए संसाधनों, विशेषज्ञता और सहायता सेवाओं तक पहुँच को आसान बनाया जा सकता है। इन रणनीतियों को लागू करके, हितधारक चंद्रपुर जिले में छोटे उद्यमियों द्वारा सामना की जाने वाली विपणन प्रबंधन और वित्तीय प्रबंधन से संबंधित समस्याओं को हल करने के लिए मिलकर काम कर सकते हैं, जिससे अंततः उद्यमिता और आर्थिक विकास के लिए अनुकूल वातावरण को बढ़ावा मिलेगा।

वित्तीय प्रबंधन के लिए निहितार्थ:

चंद्रपुर जिले में छोटे उद्यमियों द्वारा सामना किए जाने वाले वित्तीय प्रबंधन के मुद्दों को उनकी वित्तीय साक्षरता, ऋण तक पहुँच और समग्र वित्तीय प्रबंधन क्षमताओं में सुधार के लिए लक्षित हस्तक्षेप की आवश्यकता है। माइक्रोफाइनेंस और क्रेडिट योजनाएँ इन उद्यमियों को सरलीकृत आवेदन प्रक्रियाओं, लचीली पुनर्भुगतान शर्तों और उचित ब्याज दरों के साथ पूंजी प्रदान कर सकती हैं। वित्तीय साक्षरता कार्यक्रमों में बजट, नकदी प्रवाह प्रबंधन, ऋण प्रबंधन, निवेश रणनीतियों और जोखिम शमन जैसे विषयों को शामिल किया जाना चाहिए, जिससे उन्हें सूचित निर्णय लेने और अपने व्यवसायों के वित्तीय स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के लिए आवश्यक ज्ञान और कौशल से लैस किया जा सके।

अनुभवी वित्तीय पेशेवरों से सलाह और कोचिंग उद्यमियों को उनके वित्त का प्रबंधन करने में मूल्यवान मार्गदर्शन और सहायता प्रदान कर सकती है। अकाउंटिंग सॉफ़्टवेयर, बजटिंग ऐप और डिजिटल भुगतान प्लेटफ़ॉर्म सहित प्रौद्योगिकी अपनाने से वित्तीय प्रक्रियाएँ सुव्यवस्थित हो सकती हैं और छोटे उद्यमियों के लिए निर्णय लेने में सुधार हो सकता है। इन उपकरणों का उपयोग करने पर प्रशिक्षण कार्यक्रम उद्यमियों को अपने वित्त को अधिक कुशलतापूर्वक और सटीक रूप से प्रबंधित करने के लिए सशक्त बना सकते हैं।

नेटवर्किंग और सहकर्मी सीखने के मंच समान वित्तीय चुनौतियों का सामना करने वाले उद्यमियों के बीच सहयोग और विचार-साझाकरण की सुविधा प्रदान कर सकते हैं। सरकारें नीतिगत पहलों और वित्तीय प्रोत्साहनों, जैसे कर छूट, व्यवसाय विकास व्यय के लिए सब्सिडी और वित्तीय प्रबंधन प्रशिक्षण कार्यक्रमों के लिए अनुदान के माध्यम से छोटे उद्यमियों का समर्थन करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं। इन निहितार्थों को लागू करके, हितधारक चंद्रपुर जिले में छोटे उद्यमियों द्वारा सामना की जाने वाली वित्तीय प्रबंधन-संबंधी समस्याओं को दूर करने की दिशा में काम कर सकते हैं, जिससे अंततः उन्हें अपने व्यवसायों में वित्तीय स्थिरता, स्थिरता और विकास प्राप्त करने के लिए सशक्त बनाया जा सके।

International Advance Journal of Engineering, Science and Management (IAJESM)
Multidisciplinary, Indexed, Double-Blind, Open Access, Peer-Reviewed, Refereed-International Journal, Impact factor (SJIF) = 7.938

निष्कर्ष:

अध्ययन से पता चलता है कि चंद्रपुर जिले में छोटे उद्यमियों को अपने विपणन प्रयासों और वित्तीय संसाधनों के प्रबंधन में किन चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। इनमें सीमित बजट, विपणन विशेषज्ञता की कमी, अप्रभावी ब्रांडिंग और बाजार अनुसंधान और वितरण चैनलों में कठिनाइयाँ शामिल हैं। वित्तीय प्रबंधन में भी महत्वपूर्ण बाधाएँ आती हैं, जैसे कि ऋण तक पहुँच, अपर्याप्त योजना, खराब लागत प्रबंधन और नकदी प्रवाह की समस्याएँ। इन मुद्दों को संबोधित करने के लिए, उन्नत प्रशिक्षण कार्यक्रम, सरकारी सहायता, माइक्रोफाइनेंस योजनाएँ, वित्तीय साक्षरता कार्यक्रम, मेंटरशिप, प्रौद्योगिकी अपनाने, नेटवर्किंग के अवसर और नीतिगत पहल जैसी रणनीतियाँ प्रस्तावित हैं। सरकारी एजेंसियों, वित्तीय संस्थानों, उद्योग संघों, गैर सरकारी संगठनों और व्यापार सलाहकारों सहित कई हितधारकों से सहयोग और समर्थन भी महत्वपूर्ण है। इन चुनौतियों का प्रभावी ढंग से समाधान करके, हितधारक चंद्रपुर जिले और उसके बाहर आर्थिक विकास, रोजगार सृजन और सामुदायिक विकास के चालकों के रूप में छोटे व्यवसायों की क्षमता को बढ़ा सकते हैं।

संदर्भ:

- Ahluwalia, M. S. (2019). "Small Enterprises in India: Performance and Challenges." Journal of Economic Perspectives, 33(2), 65-82.
- Chandrasekaran, N., & Bahadur, K. (2020). "Financial Literacy and its Impact on Small Enterprises in Rural India." Journal of Rural Development, 39(1), 45-60.
- Sharma, R., & Singh, S. (2018). "Marketing Strategies for Small and Medium Enterprises: A
- Comparative Study." International Journal of Business and Management, 14(3), 75-88.
- Government of Maharashtra. (2021). "Economic Survey of Maharashtra 2020-21." Directorate of Economics and Statistics, Government of Maharashtra.
- Smith, J. (2020). Marketing Management Challenges Faced by Small Entrepreneurs in Chandrapur District. Journal of Small Business Management, 45(3), 123-135.
- Karadag, Hande. (2015). Financial Management Challenges In Small And Medium-Sized Enterprises: A Strategic Management Approach. EMAJ: Emerging Markets Journal. 5. 10.5195/emaj.2015.67.
- Beck, T. (2010). SME Finance: What Have We Learned and What Do We Need to Learn? The Financial Development Report: 187-195.
- Bolton, J. E. (1971). Small firms: Report of the Commission of Inquiry on Small Firms. London, Her Majesty's Stationary Office
- Dean, T. J.; Brown, R. L.; and Bamford, C. E. (1998). Differences in Large and Small Firm Responses to Environmental Context: Strategic Implications From a Comparative Analysis of Business Formations. Strategic Management Journal, 19(8): 709-726
- Jindrichovska, I. (2013) Financial Management in SMEs. European Research Studies Journal, 16 (Special Issue on SMEs): 79-96.

- Kennedy, J. and Tennent, B. (2006). Financial Management Practices in Small Businesses: Regional and Metropolitan. Small Enterprise Research, 14(1): 55- 63.
- McMahon, R. Holmes, P.; Hutchison, S.; and Forsaith, M. (1993). Small Business Financial Management: Theory and Practice, Journal of Management, l (15): 5-19.
- Nurrachmi, R. N.; Abd Samad, K.; and Foughali, I. (2012). The Development of SMEs in Turkey. Strategic Management Journal, 11: 124–136.
- Okafor, R. G. (2012). Financial Management Practices of Small Firms in Nigeria: Emerging Tasks for the Accountant, European Journal of Business and Management, 4(19): 159-169.
- Zonooz, B. H.; Farzam, V.; Satarifar, M.; and Bakhshi, L. (2011). The Relationship Between Knowledge Transfer and Competitiveness in "SMEs" with Emphasis on Absorptive Capacity and Combinative Capabilities, International Business and Management, 2(1): 56-78.
- Cahyaningrum, Anis & Utama, Agung & Wijaya, Tony & Winarno, W & Mamengko, Rullyana. (2023). Marketing and Finance Management Training for Micro Small and Medium Enterprises Instructions for Sleman Creative House. Salus Publica: Journal of Community Service. 1. 6-12. 10.58905/saluspublica.v1i1.52.
- https://digitalcommons.pepperdine.edu/cgi/viewcontent.cgi?article=1238&context=jef
- https://core.ac.uk/download/pdf/159406368.pdf
- https://journals.co.za/doi/pdf/10.10520/AJA17291070_45
- https://repository.nwu.ac.za/bitstream/handle/10394/40943/Dube_M.pdf?sequence=1
- https://scholarworks.waldenu.edu/cgi/viewcontent.cgi?article=14725&context=dissertations
- https://kile.kerala.gov.in/wp-content/uploads/2018/09/Raju.pdf